

गुजाल संग्रह

15933



वक्ता की आवाज

हज्जी ज़फ़र उल्ला खाँ

—प्रकाशक—

नशेमन पब्लिकेशन मारफत
अशरफ उल्ला खाँ
मोहल्ला सैल सागर
टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश)
फोन — (07683) 245350
मोबाईल— 9826263908

प्राप्ति स्थान —

अपेक्स कम्प्यूटर ग्राफिक्स
मस्जिद भिश्तयान बस स्टेण्ड के पास
टीकमगढ़ (म0प्र0) 472001

मूल्य— 51/— रूपये
प्रथम संस्करण वर्ष 2010

@ सर्वाधिकार सुरक्षित
जफ़र उल्ला खाँ "जफ़र"

WAQT KEE AWAAZ

मुद्रक— श्री द्वारकाधीश ऑफसेट
जबाहर चौक, टीकमगढ़ (म0प्र0)
आवरण एवं मुद्रण सज्जा

वक्त की आवाज

—::— अपनी

बक्ता की आवाज किताब लिख
मनोरंजन तक नहीं बल्कि समाज, धर्म,
शास्त्र पर गाम्जन है उससे तरक्की त
सम्यता, गुर्क में जा रही है। इसलिये ह
सुनकर, समझते हुए समाज के छोटे, बड़े
मजदूर, किसान, व्यापारी, कर्मचारी, धर्मी
मकसद सिर्फ़ पैसा कमाना रह गया है।
भी जंगलियाँ उठने लगी है कानून तो आ
बनकर रह गया है बगैर पैसा खर्च किये
नहीं होता, न्याय नहीं मिलता दफ्तरी में
व्यक्ति मदद क्या सुनने को तैयार नहीं,
गलत रास्ता अड्डाया कर लेता है जिस
जा रहा है, कुल मिलाकर आदमी का आ
टीकमगढ़ में आप के जरिये शहर के शा
आवाज" से पहले आपकी गुजलें और अ
और "जफ़्बात" नामक पुस्तकों में शायर ह
संघ द्वारा शायर को आबलिक साहित्यक
पुरुषकृत भी किया गया है। समाज औ
भ्रष्टाचारी, रिश्ताखोरी, इन्सानियत से
अखलाको मोहब्बत हमदर्दी जैसी बातों का
बातों से उठकर समाज और इन्सान को
समाज जो गर्त में जा रहा है कुछ तो जा
को देखना और उनसे मुंह मोड़लेना सम्
इसलिये शायर ने अपनी तरफ से कोशिश
कुछ अच्छा करने के लिये मुतासिर हो। प
खो गई — औरत है कौन मर्द है ये कैसी दं
खामोश रहने में ही भलाई समझते हैं। म
खुलती इस तरह की जिन्दगी तो कोई भी
सेमीनार, प्रबचन, तकरीरें करते जा रहे हैं
जहाँ थे वहीं हैं। अगर सुधार लाना है तो ए
पर ला सकता है और वो है हम सुधरेंगे त
ये किताब लिखी गई है कि एक प्रतिशत
हासिल होगा इस काम में हमारे दोनों बच्चे
उल्ला खाँ ने पूरी तरह मदद और मेहनत
करता हूँ कि वो दोनों हमेशा खुश रहें।

अपनी

फेहरिस्त

- | | | |
|-------------------------|---------------------|----------------------|
| 1. हम्दो नाते पाक | 26. बहुत हो | 51. नसीब |
| 2. कुछ बात बने | 27. बात बने | 52. जरूर हो |
| 3. आला मुकाम है | 28. औलाद | 53. नजारे देखी |
| 4. कहीं नहीं होता | 29. सावन आया | 54. जोकर |
| 5. मदीने में | 30. मुखमरी | 55. एकता |
| 6. जीने में है | 31. प्यार बच्चे का | 56. काम में |
| 7. निराली है | 32. चुनाव हार गये | 57. खामोश |
| 8. ईमां नहीं है | 33. हसीन | 58. याद आती है |
| 9. खबर है | 34. पागल | 59. छोड़ आये हैं |
| 10. हैरानी है | 35. गया | 60. मुकाम में |
| 11. डरता हूँ | 36. चीख रहा है | 61. बेकरार |
| 12. दुआ दो | 37. दस्तक | 62. इन्सान |
| 13. मिलाने वाले | 38. राष्ट्रपति | 63. खुशनसीब |
| 14. शोख हसीना | 39. दिवानों में | 64. कैसा है मर्द |
| 15. कृता | 40. अहम | 65. किचिन में |
| 16. रोजदार | 41. खिलौना | 66. मतवा |
| 17. शहर होने तक | 42. क्या बात कर रहे | 67. दर्द |
| 18. शबाब | 43. ख्याले इश्क | 68. दिए जाता हूँ |
| 19. याद आती है | 44. घला जाऊँगा | 69. तकलीफ |
| 20. पता नहीं | 45. जवान | 70. नये साल का पैगाम |
| 21. 15 अगस्त | 46. मोपाल शहर | 71. मंजर देखा |
| 22. पेंशनर | 47. मुश्किल | 72. ख्वाहिश |
| 23. हसीनों में | 48. जमाना याद है | 73. अजनबी |
| 24. क्या मजहब क्या धर्म | 49. बच्चा | 74. मिक्स |
| 25. जुबाने हक | 50. गवारा ही नहीं | 75. आजमाना है |

फेहरिस्त

- | | | |
|-----------------------|--------------------------|----------------------|
| 76. कौन | 101 मगर बही | 126 हिन्दोस्तां हयाय |
| 77. मुलाकात होगी | 102 मुस्कुराना चाहता हूँ | 127 छात्र और शिक्षक |
| 78. बेजार हुए हैं | 103 चोंद शर्मा गया | 128 टेशन |
| 79. फैशन | 104 चेहरा | 129 दर्द |
| 80. चुनाव | 105 देखो | 130 फलक द कारमिल |
| 81. कैसी आजादी | 106 हकीकत | 131 अच्छी बात नहीं |
| 82. रिक्सा चालक | 107 बुढ़ापा | 132 आतंकी शहर में |
| 83. झलक | 108 आमाल | 133 गालिब |
| 84. हिजड़े | 109 अपने शहर में | 134 वक्त |
| 85. इन्सां | 110 सरकारी सांड | 135 हिन्दोस्तां |
| 86. फर्जी अंक सूची | 111 गीत | 136 आपने क्या किया |
| 87. कुछ हस्तियाँ | 112 रिस्ता क्यों है | 137 माँ |
| 88. सिर्फ एक बार | 113 बेच रहे हो | 138 काम करो |
| 89. सनाए रसूल | 114 नात | 139 बहार देखेंगे |
| 90. शिकायत | 115 किरदार | 140 हिदायत |
| 91. दीदार | 116 क्या चाहती है | 141 जिन्दगी में |
| 92. होंगे | 117 देख लिया है | 142 न होता |
| 93. क्या बतायें | 118 कता | 143 किसी का |
| 94. बिखर गये | 119 जुल्फ | 144 जलाई जाये |
| 95. रजा देता हूँ | 120 औरत | 145 देखो |
| 96. ढूँढ़ता हूँ | 121 पैगाम | 146 बिके हैं |
| 97. कभी नहीं | 122 नेता | 147 बहाना कैसा |
| 98. प्यार मिले | 123 चोंद | 148 नहीं आती |
| 99. अंजान से क्यों हो | 124 आँसू | 149 सुघर जायें |
| 100. कातिल सा लगे है | 125 आतंकवाद | 150 पैगाम |

वक्त की आवाज

कवि परिचय -

15935



- नाम— जफर उल्ला खॉँ “जफर”
- जन्म— 10.07.1937 टीकमगढ़ (म.प्र.)
- पिता— स्वर्गीय इस्लाम उल्ला खॉँ “नायब तहसीलदार”
- शिक्षा— मैट्रिक
- विधाये— गज़ल, नज़्म, हम्द, नात, गीत
- शौक— अदबी खिदमात, खेल, ड्राइंग, संगीत
- सम्मान— म०प्र० लेखक संघ का आंचलिक सम्मान 2004
मंजर अवार्ड
- संप्रति— साविक सदर वज़्में अदब टीकमगढ़
प्र०—अपेक्स एस०टी०डी०, रिटायर्ड, पी.टी.आई.
- सम्पर्क— जफर उल्ला खॉँ “जफर”
मोहल्ला सैल सागर, टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश)
- फोन— (07683) 245350,
- मोबाईल— 9826263908,
- प्रकाशन एवं वक्त की आवाज़
- प्रसारण — गज़ल संग्रह आकाशवाणी
एवं तमाम पत्र पत्रिकाओं में
प्रकाशन एवं प्रसारण